सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी 2014 (केन्द्रिक) सेट-1
(बाहरी दिल्ली)

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

1. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

लोकतंत्र के तीनों पायों - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का अपना-अपना महत्व है किन्तु जब प्रथम दो अपने मार्ग या उद्देश्य के प्रति शिथिल होती हैं या संविधान के दिशा-निर्देशों की अवहेलना होती है तो न्यायपालिका का विशेष महत्व हो जाता है। न्यायपालिका ही है जो हमें आईना दिखाती है, किन्तु आईना तभी उपयोगी होता है जब उसमें दिखाई देने वाली चेहरे की विद्रपता को सुधारने का प्रयास हो। सर्वोच्च न्यायालय के अनेक जनहितकारी निर्णयों को कुछ लोगों ने न्यायपालिका की अतिसक्रियता माना, पर जनता को लगा कि न्यायालय सही है। राजनीतिक चश्मे से देखने पर भ्रम की स्थिति हो सकती है।

प्रश्न यह है कि जब संविधान की सत्ता सर्वोपरि है तो उसके अनुपालन में शिथिलता क्यों होती है। राजनीतिक-दलगत स्वार्थ या निजी हित आड़े आ जाता है और यही भ्रष्टाचार को जन्म देता है। हम कसमें खाते हैं जनकल्याण की और कदम उठाते हैं आत्मकल्याण के। ऐसे तत्वों से देश को, समाज को सदा खतरा रहेगा। अत: जब कभी कोई न्यायालय ऐसे फैसले देता है जो समाज कल्याण के हों और राजनीतिक ठेकेदारों को उनकी औकात बताते हों तो जनता को उसमें आशा की किरण दिखाई देती है। अन्यथा तो वह अंधकार में जीने को विवश है ही।

(क) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

(ख) लोकतंत्र में न्यायपालिका कब विशेष महत्वपूर्ण हो जाती है? क्यों? **(2)**

(ग) आईना दिखाने का क्या तात्पर्य है और न्यायपालिका कैसे आईना दिखाती है? **(2)**

(घ) 'चेहरे की विद्रपता' से क्या तात्पर्य है और यह संकेत किनके प्रति किया गया है? **(2)**

(ङ) भ्रष्टाचार का जन्म कब और कैसे होता है? **(2)**

(च) जनता को आशा की किरण कहाँ और क्यों दिखाई देती है? **(2)**

(छ) आशय स्पष्ट कीजिए: **(2)**

'अन्यथा तो वह अंधकार में जीने को विवश है ही।’

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए: **(1)**

विद्रूपता

(झ) सरल वाक्य में बदलिए: **(1)**

'हम क़समें खाते हैं जनकल्याण की और कदम उठाते हैं आत्मकल्याण के।‘

2. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (1×5=5)

तरुणाई है नाम सिंधु को उठती लहरों के गर्जन का,

चट्टानों से टक्कर लेना लक्ष्य बने जिनके जीवन का।

विफल प्रयासों से भी दूना वेग भुजाओं में भर जाता,

जोड़ा करता जिनकी गति से नव उत्साह निरन्तर नाता।

पर्वत के विशाल शिखरों-सा यौवन उसका ही है अक्षय,

जिनके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार साथ लय।

अचल खड़े रहते जो ऊँचा, शीश उठाए तूफ़ानों में,

सहनशीलता दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में।

वही पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हों निर्झर,

प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।

(क) कवि ने किसका आह्वान किया है और क्यों?

(ख) तरुणाई की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

(ग) चट्टानों से टक्कर लेने का क्या तात्पर्य है?

(घ) मार्ग की रुकावटों को कौन तोड़ते हैं और कैसे?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए:

'जिनके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार साथ लय।'

खण्ड-'ख'

3. नीचे लिखे विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए: **(5)**

(क) नारी तुम केवल श्रद्धा हो

(ख) प्राकृतिक आपदाएँ और हमारी वैज्ञानिक प्रगति

(ग) आज का विद्यार्थी-आज का भारत

(घ) पहला सुख - निरोगी काया

4. रेलवे के आरक्षित डिब्बों में भी अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन, रेलवे बोर्ड, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। (5)

अथवा

किसी प्रमुख समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर गाँवों में चिकित्सा-सुविधाओं के अभाव का उल्लेख कीजिए और कुछ गाँवों के बीच विशेष चिकित्सा-सुविधाओं वाले अस्पताल खोलने का सुझाव दीजिए।

5. (क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:

(i) पत्रकारिता की भाषा में मुखड़ा किसे कहते हैं?

(ii) एडवोकेसी पत्रकारिता क्या है?

(iii) संपादकीय किसे कहते हैं?

(iv) 'डैड लाइन' का क्या आशय है?

(v) 'फ़ीचर' की दो विशेषताएँ बताइए।

(ख) गाँवों में फैलता फ़ैशन' अथवा हताशा में आशा की किरण युवा' विषय पर आलेख लिखिए। **(5)**

6. 'भ्रष्टाचार का दानव' अथवा 'क्रिकेट का बादशाह सचिन' में से किसी एक विषय पर फ़ीचर का आलेख लिखिए। (5)

खण्ड-'ग'

7. प्रस्तुत पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×4=8)

मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ,

मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ,

है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता

मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ

मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,

सुख-दुख दोनों में मग्न रहा करता हूँ

जग भव-सागर तरने को नाव बनाए,

मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।

(क) 'निज उर के उद्‌गार' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ख) कवि को संसार क्यों प्रिय नहीं है?

(ग) संसार की विषमताओं के बीच भी कवि कैसे जी रहा है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए:

'मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।'

अथवा

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,

बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।

जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,

कहैं एक एकन सों कहाँ जाइ का करी?

वेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ विलोकिअत

साँकरे सबैं पै राम ! रावरें कृपा करी।

दारिद-दसानन दबाई दुनी, दीनबन्धु !

दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी।

(क) कवि ने लोगों को जीविकाविहीनता का चित्रण कैसे किया है?

(ख) कवि ने रावण की तुलना किससे की है और क्यों?

(ग) राम-भक्ति के सन्दर्भ में कवि का क्या कहना है?

(घ) आपके विचार से तुलसी को हाय-हाय कहने की नौबत क्यों आई?

8. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(2×3=6)**

गरबीली ग़रीबी यह,

ये गंभीर अनुभव सब

यह विचार-वैभव सब

दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब

मौलिक है, मौलिक है।

(क) 'गरीबी' के विशेषण का प्रयोग-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) रूपक अलंकार का उदाहरण चुनकर उसके सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) काव्यांश का भाषा-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कल्पना के रसायनों को पी

बीज गल गया निःशेष

शब्द के अंकुर फूटे,

पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष

(क) काव्यांश की अलंकार-योजना पर प्रकाश डालिए।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य लिखिए।

(ग) काव्यांश के भाषिक सौंदर्य पर टिप्पणी लिखिए।

9. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **(3×2=6)**

(क) कवि ने कविता की उड़ान और खिलने को चिड़िया और फूलों से किस तरह भिन्न बताया है?

(ख) बच्चों को कपास की तरह कोमल और उनके पैरों को 'बेचैन' क्यों कहा गया है? 'पतंग' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) सहर्ष स्वीकारा है कविता में कवि का संबोध्य कौन है? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

10. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

मेरे परिचितों और साहित्यिक बन्धुओं से भी भक्तिन विशेष परिचित है; पर उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा, मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है, और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है। इस सम्बन्ध में भक्तिन की सहज बुद्धि विस्मित कर देने वाली है। वह किसी को आकार-प्रकार और वेश-भूषा से स्मरण करती है और किसी को नाम के अपभ्रंश द्वारा। कवि और कविता के सम्बन्ध में उसका ज्ञान बढ़ा है; पर आदर-भाव नहीं। किसी के लम्बे बाल और अस्त-व्यस्त वेश-भूषा देखकर वह कह उठती है – 'का ओहू कवित्त लिखे जानत हैं' और तुरन्त ही उसकी अवज्ञा प्रकट हो जाती है – 'तब ऊ कुच्छौ करिहैं-धरिहैं ना - बस गली-गली गाउत बजाउत फिरिहैं।'

(क) लेखिका ने भक्तिन की बुद्धि को विस्मित कर देने वाली क्यों कहीं हैं?

(ख) कवियों के सम्बन्ध में भक्तिन की क्या मान्यता है?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए-'उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा, मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है'

(घ) लेखिका ने भक्तिन का संवाद किस भाषा में दिया है और क्यों?

अथवा

मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अति परिचित और अति प्रामाणिक सत्य हैं। तुलसीदास ने अफ़सोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी - 'धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना !' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है। सुनता कौन है? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राण-कण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरन्तर चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो काल-देवता की आँख बचा जाएँगे।

(क) शिरीष की किस विशेषता पर लेखक को यह सब कहना पड़ा?

(ख) तुलसीदास के कथन का क्या आशय है? उसमें किस सच्चाई को उजागर किया गया है?

(ग) महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं' से लेखक का क्या आशय है?

(घ) गद्यांश में किन्हें मूर्ख कहा गया है और क्यों?

11. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उतर दीजिए:- (3×4=12)

(क) बाज़ार जाते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) 'भक्तिन वाक्पटुता में बहुत आगे थी', पाठ के आधार पर उदाहरण देकर पुष्टि कीजिए।

(ग) सूखे के समय इंदर सेना पर पानी डालना कहाँ की बुद्धिमानी है? लेखक की इस उलझन को उसकी जीजी ने किस तरह सुलझाया?

(घ) सीमाएँ बँट जाने से दिल नहीं बँटा करते, नमक' कहानी में इस बात को किस तरह सिद्ध किया गया है?

(ङ) 'अभी चालीं चैप्लिन पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है।" लेखक ने यह बात क्यों और किस सन्दर्भ में कही है?

12. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×2=4)

(क) 'जूझ' के लेखक को मराठी अध्यापक क्यों अच्छे लगते थे? दो कारण लिखिए।

(ख) 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर भूषण के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) मुअनजो-दड़ो का शाब्दिक अर्थ क्या है? यह कहाँ स्थित है?

13. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×2=6)

(क) वाई.डी. पंत का आदर्श कौन था? उसके व्यक्तित्व की तीन विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'जूझ' के लेखक का पिता उसे पढ़ने से क्यों रोकना चाहता था? दताराव को उसने लेखक की किन आदतों के बारे में बताया?

(ग) कला की दृष्टि से हड़प्पा-सभ्यता समृद्ध थी' पाठ के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

14. "सिल्वर वेडिंग' वर्तमान युग में बदलते जीवन-मूल्यों की कहानी है," सोदाहरण सिद्ध कीजिए। (5)

अथवा

महिलाओं के बारे में ऐन फ्रेंक के विचार वर्तमान जीवन-मूल्यों के अनुसार कितने प्रासंगिक हैं? सोदाहरण विवेचन कीजिए।